ISSN: 2584-0231(Online)
International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology
© IJMRAST \ Vol. 1 \ Issue 5 \ December 2023
Available online at: https://ijmrast.com
DOI: https://doi.org/10.61778/ijmrast.v1i5.30

सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन

श्याम सिंह[1] एवं डॉ0 श्रवण कुमार[2]

[1]शोध छात्र, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

[2]प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

सार:

प्रस्तुत अध्ययन में सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बी.एड. प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। अध्ययन हेतु मात्रात्मक उपागम, वर्णनात्मक शोध तथा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। प्रतिदर्श के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गोरखपुर जनपद के द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम संचालित करने वाले सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों से क्रमशः 8 व 7 महाविद्यालयों का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया। इन चयनित सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों से क्रमशः 120 व 135 छात्रा प्रशिक्षुओं का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिचयन विधि द्वारा किया गया। चरों के मापन हेतु एस. के. मंगल व शुभ्रा मंगल द्वारा निर्मित 'संवेगात्मक बुद्धि इन्वेंटरी', के. एस. मिश्रा द्वारा निर्मित 'आध्यात्मिक बुद्धि मापनी' तथा सी.डी अगाशे व आर.डी. हेलोदे द्वारा निर्मित 'धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य इन्वेंटरी' का प्रयोग किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया। परिणाम में सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की तुलना में सार्थक रूप से अधिक पायी गयी।

मुख्य शब्द– *संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि, मानसिक स्वास्थ्य, बी0एड0 प्रशिक्षु*

प्रस्तावना

शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है। शिक्षा औपचारिक, अनौपचारिक तथा निरौपचारिक साधनों के द्वारा प्रदान की जा सकती है। विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों आदि में शिक्षा औपचारिक रूप से प्रदान की जाती है। शिक्षा प्रदान करने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्तमान में शिक्षक बनने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था की गयी है, जिसमें द्विवर्षीय तथा चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. एक मुख्य प्रशिक्षण कार्यक्रम है। बी.एड. पाठ्यक्रम संचालित करने वाले विभिन्न प्रकार के महाविद्यालय यथा–वित्तपोषित, स्ववित्तपोषित, सहशिक्षा, महिला महाविद्यालयों के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, शैक्षिक परिवेश में कई भिन्नताएं हैं जिसके कारण इसमें अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों का मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, संवेगात्मक विकास प्रभावित होता है। व्यक्ति के सर्वोत्कृष्ट विकास के लिए उनकी संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य का स्तर उच्च होना चाहिए।

संवेगात्मक बुद्धि एक ऐसी योग्यता है जिससे हम स्वयं तथा अन्य व्यक्तियों के संवेगों को समझते हैं, स्वयं को अभिप्रेरणा देते हैं तथा अपने संवेगों का अन्य व्यक्तिओं के साथ सम्बन्धों के लिए प्रबन्धन करते हैं।

आध्यात्मिक बुद्धि, बुद्धि का उच्च आयाम है जिसकी प्रकृति आध्यात्मिक है। इसके द्वारा व्यक्ति को जीवन–मरण, अच्छाई–बुराई, परोपकार, जीव–जगत, सृष्टि–सृष्टा, आत्मा–परमात्मा, नैतिकता, मूल्य, चरित्र, आत्मज्ञान एवं पारलौकिक ज्ञान होता है।

मानसिक स्वास्थ्य का संबंध मन से है। इसके द्वारा व्यक्ति की मानसिक क्षमताओं, योग्यताओं व शक्तियों का उचित विकास तथा मन को सुखी एवं स्वस्थ बनाने के उपाय किये जाते हैं। यह समायोजनशील व्यवहार है। यह व्यक्ति के व्यक्तिगत और सामाजिक समायोजन में सहायता करता है। यह व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों जैसे–शारीरिक, मानसिक, शैक्षिक, व्यावसायिक, संवेगात्मक व नैतिकता आदि को सामन्जस्यपूर्ण और संतुलित विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

व्यक्ति की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य अनेक कारकों से प्रभावित होता है। इनमें महाविद्यालयों के वातावरण में भिन्नता भी उपरोक्त चरों को प्रभावित कर सकती है।

प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्ता ने यह जानने का प्रयास किया है कि क्या सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों का परिवेश बी.एड. प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

इस विषय से सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा की गयी–

- Raj (2014) ने अपने अध्ययन में पाया कि महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से सार्थक रूप से अधिक थी।
- Kamarajini (2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि उच्च माध्यमिक स्तर के सहशिक्षा विद्यालयों की छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि बालिका विद्यालयों की छात्राओं से सार्थक रूप से अधिक थी जबकि दोनों विद्यालयों की छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य में कोई सार्थक अन्तर नहीं था।

सम्बन्धित साहित्य की समीक्षा से पता चलता है कि सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के तुलनात्मक अध्ययन से सम्बन्धित कोई शोध नहीं हुआ है। इसलिए शोधकर्ता को इस विषय में अध्ययन करने की आवश्यकता हुई। अतः शोधकर्त्ता ने इसे अपने अध्ययन विषय के रूप में चुना।

समस्या कथन

''सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बी.एड. प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन''

अध्ययन में प्रयुक्त पदों की संक्रियात्मक परिभाषा

संवेगात्मक बुद्धि– संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य एस.के. मंगल व शुभ्रा मंगल द्वारा निर्मित 'संवेगात्मक बुद्धि इन्वेन्ट्री' के प्राप्तांकों से है।

आध्यात्मिक बुद्धि– आध्यात्मिक बुद्धि से तात्पर्य के. एस. मिश्रा द्वारा निर्मित 'आध्यात्मिक बुद्धि मापनी' के प्राप्तांकों से है।

मानसिक स्वास्थ्य– मानसिक स्वास्थ्य से तात्पर्य सी.डी. अगाशे तथा आर.डी. हेलोदे द्वारा निर्मित 'धनात्मक मानसिक स्वास्थ्य इन्वेंट्री' के प्राप्तांको से है।

सहशिक्षा महाविद्यालय– सहशिक्षा महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसे महाविद्यालय से है जिसमें प्रशिक्षु छात्र एवं छात्राएं दोनों एक ही महाविद्यालय व एक ही कक्षा में अध्ययन करते हैं।

महिला महाविद्यालय– महिला महाविद्यालय से तात्पर्य ऐसे महाविद्यालय से है जिसमें केवल प्रशिक्षु छात्राएं अध्ययन करती हैं।

बी.एड. प्रशिक्षु– बी.एड. प्रशिक्षुओं से तात्पर्य द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत् चतुर्थ सेमेस्टर की प्रशिक्षु छात्राओं से हैं।

अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित उद्देश्य है–

1. **उद्देश्य–1:** सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. **उद्देश्य–2:** सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. **उद्देश्य–3:** सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पनाएं

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्य–1, उद्देश्य–2, व उद्देश्य–3 के लिए क्रमशः $H_0(1)$, $H_0(2)$ व $H_0(3)$ शून्य परिकल्पनाएं बनाई गयी हैं–

1. **H_0 (1)** : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
2. **H_0 (2)** : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।
3. **H_0 (3)** : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

अध्ययन का परिसीमन

1. प्रस्तुत अध्ययन गोरखपुर जनपद के दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम संचालित करने वाले स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों तक सीमित है।
2. प्रस्तुत अध्ययन केवल सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की बी.एड. के चतुर्थ सेमेस्टर की प्रशिक्षु छात्राओं तक सीमित है।

शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन में मात्रात्मक उपागम, वर्णनात्मक शोध तथा सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है ।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गोरखपुर जनपद के स्ववित्तपोषित सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों में द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम के चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत् प्रशिक्षु छात्राओं को जनसंख्या माना गया है।

प्रतिदर्श

प्रस्तुत अध्ययन में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध गोरखपुर जनपद के द्विवर्षीय बी.एड. पाठ्यक्रम संचालित करने वाले स्ववित्तपोषित सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों से क्रमशः 8 तथा 7 महाविद्यालयों का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा किया गया। इन चयनित सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयो से क्रमशः 120 तथा 135 बी.एड. प्रशिक्षु छात्राओं का चयन सरल यादृच्छिक प्रतिदर्शन विधि द्वारा किया गया।

तालिका 1 : प्रतिदर्श का वितरण

क्र.सं.	महाविद्यालय का प्रकार	चयनित महाविद्यालयों की संख्या	चयनित प्रशिक्षु छात्राओं की संख्या
1	सहशिक्षा महाविद्यालय	8	120
2	महिला महाविद्यालय	7	135
कुल		15	255

अध्ययन के चर

प्रस्तुत अध्ययन के निम्नलिखित चर हैं–

1. संवेगात्मक बुद्धि
2. आध्यात्मिक बुद्धि
3. मानसिक स्वास्थ्य

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में चरों के मापन हेतु प्रयोग किये गये उपकरणों का विवरण निम्न प्रकार है–

1. Emotional Intelligence Inventory-

संवेगात्मक बुद्धि के मापन हेतु एस.के. मंगल तथा शुभ्रा मंगल (2012) द्वारा निर्मित 'Emotional Intelligence Inventory' का प्रयोग किया गया है। इसमें 100 (48 सकारात्मक तथा 52 नकारात्मक) एकांश हैं। अनुक्रिया के लिए तीन विकल्प (तीन बिंदु मापनी) दिये गये हैं। अनुक्रिया विकल्पों में सदैव, कभी–कभी व कभी–नहीं के लिए सकारात्मक एकांशों में क्रमशः 2, 1 व 0 अंक तथा नकारात्मक एकांशों में क्रमशः 0, 1, व 2 अंक निर्धारित किये गये हैं। इन्वेंटरी में न्यूनतम 0 तथा अधिकतम 200 अंक प्राप्त किया जा सकते हैं।

2. Spiritual Intelligence Scale-

आध्यात्मिक बुद्धि के मापन हेतु के.एस. मिश्रा (2014) द्वारा निर्मित 'Spiritual Intelligence Scale' का प्रयोग किया गया है। इस मापनी में 42 एकांश (सभी सकारात्मक) है। अनुक्रिया के लिए पाँच विकल्प (पाँच बिंदु मापनी) पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत तथा पूर्णतः असहमत हैं जिसके लिए क्रमशः 5, 4, 3, 2, व 1 अंक निर्धारित किए गये हैं। मापनी पर न्यूनतम 42 तथा अधिकतम 210 अंक प्राप्त किये जा सकते हैं।

3. Positive Mental Health Inventory-

मानसिक स्वास्थ्य के मापन हेतु सी.डी. अगाशे तथा आर.डी. हेलोदे (2009) द्वारा निर्मित 'Positive Mental Health Inventory' का प्रयोग किया गया है। इसमें 36 एकांश है। अनुक्रिया के लिये दो विकल्प (सही/गलत) हैं, जिसके लिए क्रमशः 1 तथा 0 अंक निर्धारित है। इन्वेंटरी में न्यूनतम 0 तथा अधिकतम 36 अंक प्राप्त किये जा सकते हैं।

सांख्यिकीय विधियां

प्रस्तुत अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण हेतु टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

सार्थकता स्तर

प्रस्तुत अध्ययन में सार्थकता स्तर .05 रखा गया है।

आंकड़ों के विश्लेषण, परिणाम तथा विवेचना

बी.एड. प्रशिक्षु छात्राओं के प्राप्तांकों का, अध्ययन के उद्देश्यों व परिकल्पनाओं के संदर्भ में विश्लेषण करके परिणाम प्राप्त किये गये तथा उनकी विवेचना की गयी। प्राप्तांको के प्रसामान्यता का परीक्षण करने पर प्राप्तांक लगभग प्रसामान्य रूप से वितरित पाये गये।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

उद्देश्यों के आधार पर H_0 (1), H_0 (2) व H_0 (3) शून्य परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया–

H_0 (1) : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 2 : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि की तुलना हेतु टी–मान

चर	समूह	संख्या (N)	माध्य प्राप्तांक (M)	मानक विचलन (SD)	टी–मान (t)	सारणी मान df=253 पर (द्विपुच्छीय परीक्षण)	परिणाम
संवेगात्मक बुद्धि	सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	120	142.67	19.33	2.19	.05 स्तर पर =1.97	सार्थक($p<.05$) ↓ H_0 (1)-अस्वीकृत ↓ M सहशिक्षा महा. > M महिला महा.
	महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	135	137.39	19.03			

तालिका 2 से स्पष्ट है कि प्राप्त टी–मान 2.19 है जो df=253 पर 0.05 स्तर के सारणी मान (1.97) से अधिक है। इसलिए प्राप्त टी–मान 0.05 स्तर पर सार्थक है ($p<.05$)। परिणामतः शून्य परिकल्पना **H_0 (1)-** सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है, अस्वीकृत होती है। सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं का माध्य प्राप्तांक (142.67) महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के माध्य प्राप्तांकों (137.39) से अधिक है। अतः सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से सार्थक रूप से अधिक है।

H_0 (2) : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 3 : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि की तुलना हेतु टी–मान

चर	समूह	संख्या (N)	माध्य प्राप्तांक (M)	मानक विचलन (SD)	टी–मान (t)	सारणी मान df=253 पर (द्विपुच्छीय परीक्षण)	परिणाम
आध्यात्मिक बुद्धि	सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	120	157.75	19.44	2.14	.05 स्तर पर =1.97	सार्थक($p<.05$) ↓ H_0 (2)-अस्वीकृत ↓ M सहशिक्षा महा. > M महिला महा.
	महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	135	152.54	19.35			

तालिका 3 से स्पष्ट है कि प्राप्त टी–मान 2.14 है जो df=253 पर 0.05 स्तर के सारणी मान (1.97) से अधिक है। इसलिए प्राप्त टी–मान 0.05 स्तर पर सार्थक है (p<.05)। परिणामतः शून्य परिकल्पना H_0 (2) - सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है, अस्वीकृत होती है। सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं का माध्य प्राप्तांक (157.75) महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के माध्य प्राप्तांकों (152.54) से अधिक है। अतः सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की आध्यात्मिक बुद्धि महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से सार्थक रूप से अधिक है।

H_0 (3) : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 4 : सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य की तुलना हेतु टी–मान

चर	समूह	संख्या (N)	माध्य प्राप्तांक (M)	मानक विचलन (SD)	टी–मान (t)	सारणी मान df=253 पर (द्विपुच्छीय परीक्षण)	परिणाम
मानसिक स्वास्थ्य	सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	120	23.75	4.72	2.12	.05 स्तर पर = 1.97	सार्थक(p<.05) ↓ H_0 (3)-अस्वीकृत ↓ M सहशिक्षा महा. > M महिला महा..
	महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्रा	135	22.52	4.52			

तालिका 4 से स्पष्ट है कि प्राप्त टी–मान 2.12 है जो df=253 पर 0.05 स्तर के सारणी मान (1.97) से अधिक है। इसलिए प्राप्त टी–मान 0.05 स्तर पर सार्थक है। परिणामतः शून्य परिकल्पना H_0 (3) - सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के माध्य प्राप्तांको में कोई सार्थक अंतर नहीं है, अस्वीकृत होती है। सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं का माध्य प्राप्तांक (23.75) महिला महाविद्यालय की प्रशिक्षु छात्राओं के माध्य प्राप्तांक (22.52) से अधिक है। अतः सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं का मानसिक स्वास्थ्य महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से सार्थक रूप से अधिक है।

विवेचना (Discussion)

सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की तुलना में अधिक पायी गयी है। इसका संभावित कारण यह हो सकता है कि सहशिक्षा महाविद्यालयों में संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के स्तर को बढ़ाने के लिए अनुकूल वातावरण मिलता है। सहशिक्षा महाविद्यालयों में छात्र एवं छात्राएँ एक साथ अध्ययन करते हैं जिससे वे जीवन के सभी पक्षों को समझ पाते हैं तथा उनके साथ समायोजन कर पाते है। अतः इनकी संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के उच्च स्तर होने की संभावना है। ऐसा ही परिणाम Kamarajini (2018) ने पाया जबकि Raj (2014) ने इसके विपरीत परिणाम प्राप्त किया।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से अधिक पायी गयी है। अर्थात् सहशिक्षा महाविद्यालयों में संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के स्तर को बढ़ाने के लिये अनुकूल वातावरण प्राप्त हुआ है। अतः महाविद्यालय का प्रकार (सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालय) संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

शैक्षिक निहितार्थ

महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य सहशिक्षा महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं से कम पायी गयी है। अतः महिला महाविद्यालयों की प्रशिक्षु छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के स्तर को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए महिला महाविद्यालयों के वातावरण एवं शैक्षिक क्रियाकलाप में सुधार किया जाना चाहिए; न्यूनतम भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति होनी चाहिए तथा शिक्षकों के व्यवहार एवं शिक्षण अभिवृत्ति में सुधार करने का प्रयास किया जाना चाहिए। इसके साथ महाविद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, पाठ्य सहगामी क्रियाओं, सम्मेलन, सेमिनार, विशिष्ट व्याख्यान तथा शैक्षिक भ्रमण का समय–समय पर आयोजन होना चाहिए। इन सुधारो एवं आयोजनों से महिला महाविद्यालयों की बी.एड. प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य के स्तर में पर्याप्त सुधार हो सकता है।

References

[1]. Agashe, C.D., & Helode, R.D. (2009). *Positive Mental Health Inventory (PMHI)*. Psychosan.

[2]. Kamarajini, K.M.C. (2018). *A study of Emotional Intelligence, Mental Health and Academic Achievement of Higher Secondary School Students in Kanyakumari District. [Unpublished Doctoral Thesis]*. Manonmaniam Sundaranar University, Tirunelveli. https://shodhganga.inflibnet.ac.in:8443/jspui/handle/10603/341944

[3]. Mangal, S.K., & Mangal, S. (2012). *Emotional Intelligence Inventory (EII-MM)*. National Psychological Corporation.

[4]. Mishra, K.S. (2014). *Spiritual Intelligence Scale*. National Psychological Corporation.

[5]. Raj, D.U., & Samuel, D. (2014). Emotional Intelligence of B.Ed. Teacher Trainees. *Journal of Educational Research & Entension*, 5(1), 33-38.

Cite this Article

श्याम सिंह एवं डॉ0 श्रवण कुमार, "सहशिक्षा तथा महिला महाविद्यालयों में अध्ययनरत् बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि, आध्यात्मिक बुद्धि तथा मानसिक स्वास्थ्य का तुलनात्मक अध्ययन", International Journal of Multidisciplinary Research in Arts, Science and Technology (IJMRAST), ISSN: 2584-0231, Volume 1, Issue 5, pp. 48-53, December 2023.

Journal URL: *https://ijmrast.com/*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.